धूमकेतु आइसॉन दिखने लगा है

आइसॉन नामक धूमकेतु अब सूरज के इतने करीब आ गया है कि नंगी आंखों से उसे देखा जा सके। यह धूमकेतु पहली बार सौर मंडल में अंदर आया है। इस वजह से कहना मुश्किल है कि यह क्या नज़ारा पेश करेगा। एक मत यह है कि आइसॉन चांद से ज़्यादा चमकदार होगा। दूसरी ओर, कुछ लोगों का कहना है कि सूर्य की गर्मी पाकर यह कहीं तहस-नहस न हो जाए। यदि यह बचा रहा तो हमें आकाश में एक हरा गोला और लंबी पूंछ नज़र आएगी।

गणनाओं के मुताबिक आइसॉन 28 नवंबर के दिन सूर्य की सतह से मात्र 12 लाख किलोमीटर की दूरी पर होगा। धूमकेतु वे पिंड हैं जिनके परिक्रमा पथ बहुत अंडाकार होते हैं। इसलिए सूर्य से इनकी दूरी बहुत ज़्यादा और बहुत कम हो जाती है। जब धूमकेतु सूर्य के नज़दीक आते हैं तो उनकी बर्फ भाप बन जाती है और इस भाप के साथ धूल वगैरह मिलकर उन्हें एक पूंछ प्रदान करते हैं। चूंकि यह धूमकेतु पहली बार इतना नज़दीक आ रहा है, इसलिए इसके बारे में यकीनी तौर पर कुछ कहा नहीं जा सकता। मगर सूर्य से 12 लाख किलोमीटर दूरी का मतलब है कि आइसॉन सूर्य के आंगन में जा रहा है और इसके भविष्य के बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। हो सकता है यह धूमकेतू वापिस लौटकर न जाए।

पिछले हफ्तों में आइसॉन ने कई रूप बदले हैं। पहले तो यह एक बिंदु की तरह दिखा। फिर जल्दी ही 4 किलोमीटर व्यास के इस धूमकेतू की एक पूंछ विकसित हो गई जो करीब 1.6 करोड़ किलोमीटर लंबी थी। मगर हो सकता है कि सूर्य की गर्मी इस धूमकेतू को नष्ट कर रही है।

आप भी आइसॉन को देखने का आनंद लेना चाहें तो सुबह-सुबह 4 बजे किसी ऐसी जगह पर पहुंच जाएं जहां ज़्यादा लाइटें न हों। आइसॉन सूर्योदय से करीब 2 घंटे पहले दक्षिण-पूर्वी क्षितिज से उदय होगा। वहीं आसपास शनि और बुध भी नज़र आएंगे। ***(स्रोत फीचर्स)***